भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
पाक्षिक समाचार

सम्पर्क

आज़ादी का अमृत महोत्सव

खण्ड–XXVII अंक–11 15 जून, 2022

सीतारामगुणग्रामपुण्यारण्यविहारिणौ। वन्दे विशुद्धविज्ञानौ कवीश्वरकपीश्वरौ।।

श्री सीता राम जी के गुण समूह रूपी पवित्र वन में विहार करने वाले, विशुद्ध विज्ञान सम्पन्न कवीश्वर श्री वाल्मीकि जी और कपीश्वर श्री हनुमान जी की मैं वन्दना करता हूँ। **श्रीरामचरितमानस 1/4**

स्वागत

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD / IESI / U-1 / 2022 /45148 दिनांक 6.6.2022 के अनुसार **प्रो. राजन प्रसाद** ने 1.6.2022 से संस्थान के यांत्रिक इंजीनियरी विभाग में सातवें वेतन आयोग के लेवल-11 में सहायक प्रोफेसर ग्रेड-II के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. राजन प्रसाद को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD / IESI / U-3 / 2022/43479 दिनांक 31.5.2022 के अनुसार **प्रो. एम. एन. साई चन्द चक्का** ने 11.5.2022 से संस्थान के ट्रिप केन्द्र में सातवें वेतन आयोग के लेवल–12 में सहायक प्रोफेसर ग्रेड-I के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. एम. एन. साई चन्द चक्का को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/U-3/2022/40366 दिनांक 25.5.2022 के अनुसार **प्रो. सुरेश जैन** ने 20.5.2022 से संस्थान के ट्रिप केन्द्र में अन्तर संकाय विनिमय कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रोफेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD / IESI / U-5 / 2022/42417 दिनांक 30.5.2022 के अनुसार **डॉ. नन्द कुमार** ने 25.5.2022 से संस्थान के अन्तरविद्याशाखायी अनुसंधान स्कूल में पोस्ट-डॉक्टरल फेलो के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD / IESI / 45057 दिनांक 6.6.2022 के अनुसार **डॉ. गौरव शर्मा** ने 31.5.2022 से संस्थान के विद्युत इंजीनियरी विभाग में पोस्ट-डॉक्टरल फेलो के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD / IESI/2022/41943 दिनांक 26.5.2022 के अनुसार **डॉ. नवीन कुमार** ने 25.5.2022 से संस्थान के यांत्रिक इंजीनियरी विभाग में पोस्ट-डॉक्टरल फेलो के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग-II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD / Estt-II / 2022 / 44686 दिनांक 2.6.2022 के अनुसार **सुश्री मेघा लखमेरा** ने 17.5.2022 से संस्थान में कनिष्ठ अधीक्षक के रूप में सातवें वेतन आयोग के लेवल-6 में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग-II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD / Estt-II / 2022 / 42187 दिनांक 26.5.2022 के अनुसार **श्री मोगनराज एम.** ने 20.5.2022 से संस्थान में कनिष्ठ अभियन्ता के रूप में सातवें वेतन आयोग के लेवल-6 में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग-II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD / Estt-II / 2022 / 43682 दिनांक 31.5.2022 के अनुसार **श्री अनिरुद्ध कुमार** ने 20.5.2022 से संस्थान में केयरटेकर के रूप मे सातवें वेतन आयोग के लेवल-6 में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग-II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD / Estt-II / 2022 / 44094 दिनांक 1.6.2022 के अनुसार **सुश्री मंजू रानी** ने 19.5.2022 से संस्थान के कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग में वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक के रूप मे सातवें वेतन आयोग के लेवल-5 में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग-II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD / Estt-II / 2022 / 44254 दिनांक 1.6.2022 के अनुसार **सुश्री मोनिका राजन** ने 19.5.2022 से संस्थान के कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग में वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक के रूप मे सातवें वेतन आयोग के लेवल-5 में कार्यभार ग्रहण किया है।

आजादी का अमृत महोत्सव

आजादी के दीवानों को अध्यात्म-संस्कृति से मिलती थी उर्जा

विनीत त्रिपाठी

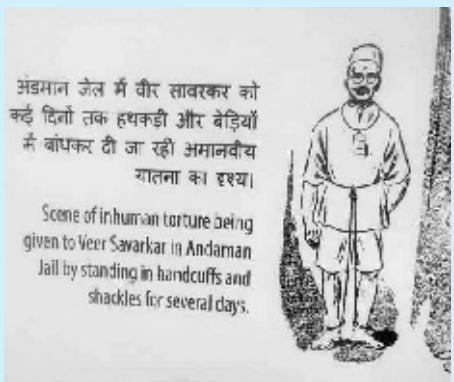

प्रदर्शनी में अंडमान के पोर्ट ब्लेयर स्थित सेलुलर जेल में वीर सावरकर को दी गई यातनाओं का स्केच

160 युवा महज 20 साल की आयु में हो गए थे बलिदानी

आइसीएचआर ने पहली बार जलियांवाला बाग से लेकर आजादी के विभिन्न आंदोलन में 20 साल की आयु में बलिदान देने वालों का आंकड़ा तैयार किया है। इसके तहत पूरे देश में बलिदान देने वाले 160 युवा थे। हालांकि, इस संख्या को पूर्ण नहीं माना जा रहा है और इसके आधार पर कहा जाता है कि आने वाले दिनों में यह संख्या और बढ़ सकती है।

ब्रिटिश हुकूमत की पराधीनता से देश को आजादी दिलाने वाले दीवाने अध्यात्म और भारतीय संस्कृति से प्रेरित थे। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, बंकिम चंद्र चटर्जी, बाल गंगाधर तिलक, विनोबा भावे, लाला लाजपत राय जैसे प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों के लिए श्रीमद्भगवद्गीता मुख्य प्रेरणास्रोत थी, जिसके माध्यम से उन्होंने देशभर में स्वतंत्रता आंदोलन को गति दी और एक दिन ऐसा आया कि अंग्रेजों को भारत छोड़कर जाना पड़ा। देश की आजादी में अध्यात्म और भारतीय संस्कृति की इसी भूमिका को गहन शोध के साथ तथ्यात्मक रूप से एक प्रदर्शनी में पेश किया गया है। भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (आइसीएचआर) द्वारा यह प्रदर्शनी अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में लगाई गई है, जो तीन अप्रैल तक चलेगी।

प्रदर्शनी में प्रदर्शित चित्रों में गांधी के गीता के संबंध में कहे गए उन तथ्यों को पेश किया गया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि गीता सिर्फ मेरी बाइबिल या कुरान नहीं है, बल्कि यह मेरी शाश्वत मां है। वहीं, बंकिम चंद्र चटर्जी ने श्रीमद्भगवद्गीता नामक एक बंगाली टिप्पणी लिखी थी, जो उनकी पत्रिका प्रचार में 1886-1888 में प्रकाशित हुई थी। वहीं, विनोबा भावे, लाला लाजपत राय और लोकमान्य गंगाधर तिलक ने भी आंदोलन की गति को तेज करने के लिए अध्यात्म और भारतीय संस्कृति से प्रेरणा ली थी।

विभिन्न राज्यों के 12,865 लोगों ने दिया आजादी के लिए सर्वोच्च बलिदान

भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद ने 'डिक्शनरी आफ मार्टर्स : इंडियाज फ्रीडम स्ट्रगल' के आधार पर आजादी की बलिदान होने वालों का डाटा तैयार किया है। इसमें देश के विभिन्न राज्यों में बलिदान देने वालों का आंकड़ा जुटाया गया है। 'डिक्शनरी आफ मार्टर्स: इंडियाज फ्रीडम स्ट्रगल' के वैल्यूम-एक के पहले और दूसरे भाग के मुताबिक दिल्ली, हरियाणा व हिमाचल प्रदेश में कुल 4,242 लोगों ने आजादी के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया।

वैल्यूम–दो के पहले और दूसरे भाग के मुताबिक उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, छत्तीसगढ़, जम्मू-कश्मीर और मध्य प्रदेश में कुल 3,948 लोगों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। वैल्यूम-तीन के मुताबिक महाराष्ट्र, गुजरात और सिंध में 1,380 लोगों ने बलिदान दिया। वैल्यूम-चार के अनुसार बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, असम, अरुणांचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा में 2,116 लोगों ने अपना बलिदान दिया। वहीं, वैल्यूम-पांच के मुताबिक आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल के 1,179 लोगों ने देश की आजादी के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

प्रदर्शनी में दिखी वीर सावरकर को दी गई यातना की झलकी

प्रदर्शनी में दामोदरदास वीर सावरकर समेत अन्य क्रांतिकारियों को ब्रिटिश सरकार द्वारा सजा देने के बाद अंडमान के पोर्ट ब्लेयर स्थित सेलुलर जेल में दी गई यातनाओं को भी प्रदर्शित किया गया है। स्केच के जरिये दिखाया गया है कि किस तरह से हथकड़ी व बेड़ियों से बांधकर अमानवीय यातनाएं दी जाती थीं। साथ ही कैसे वह जेल के अंदर तेल की कोल्हू खींचते थे। यह भी दिखाया गया है कि पूरा तेल नहीं निकालने पर कैसे क्रांतिकारी आशुतोष लाहिड़ी के हाथ-पांव बांधकर उन्हें लाठियों से पीटा गया था। जेल में महावीर सिंह, मोहित मोइत्रा, मोहन किशोर नमदास, दीवान सिंह कालेपानी, फजल-ए-हक खैराबादी, योगेंद्र शुक्ला, बटुकेश्वर दत्त, शादन चंद्र चटर्जी, सोहन सिंह, हरे कृष्ण कोनार, शिव वर्मा, सुधांशु दास गुप्ता समेत कई अन्य क्रांतिकारियों को अमानवीय तरीके से प्रताड़ित किया गया था।

साभार-दैनिक जागरण
दिनांकः 31 मार्च, 2022

विश्व पर्यावरण दिवस

कला व संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में काम करने वाली संस्था स्पिक मैके के 73 वर्षीय संस्थापक, अध्यक्ष डॉ. किरण सेठ के साहस, धैर्य और जुनून अनुकरणीय है। डॉ. किरण सेठ ने पांच जून को राजघाट पर अपनी 2,500 कि.मी. की यात्रा संपन्न की।

इस मौके पर उनसे जुड़े लोगों में खुशी का ठिकाना नहीं रहा, क्योंकि उनकी यह यात्रा हवाई जहाज, कार या मोटर-साइकिल से नहीं, बल्कि साइकिल से

थी। इस गर्मी में सड़कों पर दौड़ते खतरनाक वाहनों के बीच यह सफर जानलेवा जो था, पर वे डिगे नहीं।

सादा जीवन-उच्च विचार, कला संस्कृति का प्रचार और साइकिलिंग के माध्यम से पर्यावरण को बचाने का संदेश देने के लिए उन्होंने यह यात्रा 11 मार्च, को राजघाट से ही शुरू की थी। वे जयपुर, अहमदाबाद, बड़ोदरा, उज्जैन, कोटा, सवाई माधवपुर, भरतपुर, मथुरा, फरीदाबाद व नोएडा होते हुए 88 दिन बाद दिल्ली पहुंचे। पद्मश्री किरण सेठ ने कहा कि अगर जीवन में दूसरों के लिए इस धरती के लिए कुछ करने का जज्बा है तो उम्र कभी आड़े नहीं आती।

ऊपर से आज के युवा काफी ऊर्जावान हैं, उन्हें देखकर वे खुद ऊर्जा पाते हैं। स्पिक मैके की प्रवक्ता सुमन डुंगा ने बताया कि आईआईटी दिल्ली के पूर्व प्रोफेसर डॉ. किरण सेठ ने वर्ष 1977 में स्पिक मेके की आधारशिला रखी थी।

साभार–दैनिक जागरण
दिनांक 5.6.2022

ग्रुप 'ए' अधिकारियों का स्थानांतरण

स्थापना अनुभाग-II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/E-II/2022/45122 दिनांक 3.6.2022 के अनुसार संस्थान हित में तत्काल प्रभाव से निम्नलिखित प्रशासनिक ग्रुप 'ए' अधिकारियों का स्थानान्तरण किया गया है:–

क्र. सं.	नाम, पदनाम एवं क. कोड	अनुभाग से	अनुभाग में
1.	रमा शर्मा, सहायक कुलसचिव	औ.अनु. एवं विकास (प्रशासन)	हिन्दी कक्ष एवं भर्ती प्रकोष्ठ (स्था.-2)
2.	मुकेश चन्द, सहायक कुलसचिव	औ.अनु. एवं विकास (लेखा)	छात्रावास लेखा। वे पदोन्नति से संबंधित मामलों में स्था. अनुभाग-2 की मदद करेंगे।
3.	देब रंजन मुखर्जी, सहायक कुलसचिव	लेखा अनुभाग एवं औ. अनु. एवं विकास (लेखा)	विनिर्दिष्ट भूमिकाओं के साथ बने रहेंगे।
4.	आनन्द प्रकाश, सहायक कुलसचिव	छात्र कार्य अनुभाग	छात्र कार्य अनुभाग एवं औ. अनु. एवं विकास (प्रशासन)

प्रशासनिक अधिकारियों के दैनिक सरकारी कामकाज में सामान्य व्यवहार में प्रयुक्त होने वाली संक्षिप्त आदेशात्मक टिप्पणियाँ
(Brief important notings being used by Administrative Officers in their daily routine official work)

अंग्रेजी	हिन्दी
Action may be taken as proposed.	यथाप्रस्तावित कार्रवाई की जाए
All concerned should note carefully.	सभी संबंधित व्यक्ति इसे ध्यान से नोट कर लें।
Application is rejected.	प्रार्थना-पत्र अस्वीकृत किया जाता है।
Approved.	अनुमोदित।
Approved as a very special case. This should not, however be Quoted as a precedent.	एक विशेष मामला मानते हुए अनुमोदित किया जाता है किन्तु आगे उदाहरण के रूप में इसका उल्लेख न किया जाए।
Wait further report.	आगे और विवरण की प्रतीक्षा कीजिए।
Await reply.	उत्तर की प्रतीक्षा करें।

अंग्रेजी	हिन्दी
Do the needful.	आवश्यक कार्रवाई करें।
Draft is concurred in.	प्रारूप पर सहमति दी जा रही है।
Draft may not be issued.	अब प्रारूप जारी करने की आवश्यकता नहीं है।
Draft reply on the lines suggested above may be Put up.	उपरोक्त सुझावों के आधार पर उत्तर का मसौदा तैयार कीजिए।
Enquire into the case and report early.	मामले की जांच करें और शीघ्र रिपोर्ट दें।
Enquiry be completed and its report submitted at an Early date.	जांच पूरी की जाए और रिपोर्ट जल्दी प्रस्तुत की जाए।

Explanation may be called for.	स्पष्टीकरण मांगा जाए।
Fix a date for meeting.	बैठक के लिए तारीख नियत करें।
Give top priority to this work.	इस कार्य को परम अग्रता दें।
I agree.	मैं सहमत हूं।
I agree with 'A' above.	मैं उपर्युक्त 'क' से सहमत हूं।
I disagree.	मैं सहमत नहीं हूं।
I fully agree with office note.	मैं कार्यालय की टिप्पणी से पूर्णतया सहमत हूं।
Inform accordingly.	तदनुसार सूचित किया जाए।
Issue as amended.	यथासंशोधित जारी किया जाए।
Issue reminder urgently.	तुरन्त अनुस्मारक भेजिए।
Issue today.	आज ही भेज दिया जाए।
Issue warning.	चेतावनी दी जाए।
Kindly see it for approval.	कृपया इसे अनुमोदन के लिए देखें।
May file.	फाईल कर दिया जाए।
No assurance in the matter can be given at this stage.	इस मामले में इस समय कोई आश्वासन नहीं दिया जा सकता है।
Order may be issued.	आदेश जारी कर दिया जाए।
Office may note it carefully.	कार्यालय इसे सावधानी से नोट कर लें।
Permitted.	अनुमति दी जाती है।
Please circulate and file.	कृपया सभी को दिखाकर फाइल कर दें।
Please discuss.	आकर चर्चा कर लें।
Please fleg the relevent papers.	कृपया संगत कागजातों पर पर्चियाँ लगा दें।

Please issue necessary notification.	कृपया आवश्यक अधिसूचना जारी करें।
Please make a special note of this Decision.	कृपया इस निर्णय को विशेष रूप से नोट करे।
Please prepare a precis of the case.	कृपया मामले की संक्षेपिका तैयार करें।
Please put up a self contained note.	कृपया स्वतः पूर्ण टिप्पणी प्रस्तुत करे।
Please remind after one week.	कृपया एक सप्ताह बाद याद दिलाएं।
Please see the preceding notes.	कृपया पिछली टिप्पणियाँ देख लें।
Please speak.	कृपया बात करें।
Please take immediate action.	कृपया तुरंत कार्रवाई करें।
Put up through proper channel.	उचित माध्यम से प्रस्तुत करें।
Reminder may be issued.	अनुस्मारक भेजा जाए।
The requisite information may be furnished early.	अपेक्षित सूचना शीघ्र दी जाए।
Sanctioned.	स्वीकृत / मंजूर।
Seen, thanks.	देख लिया, धन्यवाद।
Take disciplinary action.	अनुशासनिक कार्रवाई की जाए।
There is no cause to modify the order already passed.	जो आदेश दिया जा चुका है उसमें संशोधन करने का कोई कारण नहीं है।
The undersigned is competent to grant permission.	अधोहस्ताक्षरी अनुज्ञा देने के लिए सक्षम है।
What delays ?	देरी का क्या कारण है ?
What is the position ?	क्या स्थिति है ?

बधाई

स्थापना अनुभाग–II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. भा.प्रौ.सं.दि.स्था.-2/2022/42788 दिनांक 27.5.2022 के अनुसार **श्री सोमवीर**, कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक को UIDAI डाटा सेन्टर, मानेसर, हरियाणा से 03 वर्ष की अवधि के लिए तकनीकी अधिकारी का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। श्री सोमवीर ने संस्थान में अपने पद पर पुनर्ग्रहणाधिकार रखने का अनुरोध किया था। श्री सोमवीर को सक्षम प्राधिकारी द्वारा दिनांक 31.05.2022 से तीन वर्ष की अवधि के लिए पुनर्ग्रहणाधिकार रखने की अनुमति प्रदान कर दी गई है।

हिन्दी कक्ष द्वारा सम्पादित एवं प्रकाशित दूरभाषः EPABX 7144

मुद्रकः सागर प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, नई दिल्ली। ई–मेलः sagarprinters@gmail.com